पाठ - 12

'भोर और बरखा'

प्र01 काव्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

बरसे बदरिया सावन की।
सावन की, मन-भावन की।।
सावन में उमग्यो मेरो मनवा, भनक सुनी हरि आवन की।
उमड़ - घुमड़ चहुँदिस से आया, दामिन दमकै झर लावन की।।
नन्हीं, नन्हीं बूंदन मेहा बरसे, शीतल पवन सुहावन की।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर! आनंद - मंगल गावन की।।

प्र01 प्रस्तुत कविता की कवयित्री का नाम लिखें?

उत्तर .....

.....

प्र02 सावन में किसका मन उमंग से भर जाता है?

उत्तर .....

.....

प्र03 मीरा के प्रभु का नाम लिखें?

उत्तर .....

.....

प्र04 वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कैसा लगता है?

उत्तर .....

.....

प्र02 श्री कृष्ण को गिरिधर क्यों कहा जाता है। कुछ पंक्तियों मे अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए?

उत्तर .....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

प्र03 समानार्थी शब्द लिखें –

कृष्ण .. .. , ...

रजनी .. .. , ...

भोर .. .. , ...

दामिनि .. .. , ...

मेघ .. .. , ...

प्र04 वर्षा ऋतु का सुन्दर चित्र बनाइये।

प्र05 पाठ के आधार पर सावन के महीने की कुछ विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर 1) .....

2) .....

3) .....

4) .....

egyanarchive